



OS

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 275]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 19, 1992/ज्येष्ठ 29, 1914

No. 275]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 19, 1992/JYAISTA 29, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या ही जाती है जिससे विवर वह अलग संख्याएँ के बाहर में
रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation**

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रतिसंचान

नई दिल्ली, 19 जून, 1992

सं. 71/92-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1992

NO. 71/92-CENTRAL EXCISES

मा.वा.नि. 606(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1985
(1985 का 32) की धारा 49 की उपधारा (3) के माय पठित
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और समक्ष प्रतिनियम, 1944 (1944 का 1) की
धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का पर्याप्त करने के,
यह समाचार हो जाने पर विभागित मेरेसा करना आवश्यक है, वहाँ
बताइ : प्रतिनियम की पांचवीं अनुसन्धान में विलिंग्डन गम्भीर माल की उत्त
पालने अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (1) के प्रवीन उस पर
उद्घासीय भवित्व प्रतिक्रिया उत्पाद शुल्क से छूट देती है।

G.S.R. 606(E).—In exercise of the powers conferred by
sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt
Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 49
of the Finance Act, 1985 (32 of 1985), the Central Govern-
ment, being satisfied that it is necessary in the public interest
so to do, hereby exempts all goods specified in the Fifth
Schedule to the second mentioned Act from the whole of
the additional duty of excise leviable thereon under sub-
section (1) of section 49 of the said second Act.

[फा. नं. 348/26/92-ट्री. शार. ए]
राजीव शर्मा, अमर लक्ष्मि

[F. No. 348/26/92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 1992

सं. 72/92-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 607(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक प्रबिल्डियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाचार हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करता प्रावधारक है, भारत सरकार के द्वितीय मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिसूचना सं. 87/89-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1989 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त प्रधिसूचना से उपादान सारणी में,—

- (1) क्रम सं. 6 के सामने, स्तम्भ (4) में, प्रबिल्डियों “2700 रु. प्रति सेट” और “2900 रु. प्रति सेट” के स्थान पर क्रमशः “2300 रु. प्रति सेट” और “2500 रु. प्रति सेट” प्रबिल्डियों रखी जायेंगी।
- (2) क्रम सं. 6क के सामने, स्तम्भ (4) में, प्रबिल्डियों “1900 रु. प्रति सेट” और “2100 रु. प्रति सेट” के स्थान पर क्रमशः “1650 रु. प्रति सेट” और “1850 रु. प्रति सेट” प्रबिल्डियों रखी जायेंगी।
- (3) क्रम सं. 6ब के सामने, स्तम्भ (4) में प्रबिल्डि के स्थान पर “मूल्य का 25 प्रतिशत” प्रबिल्डि रखी जायेंगी।
- (4) क्रम सं. 17 के सामने, स्तम्भ (4) में, प्रबिल्डियों “2000 रु. प्रति सेट” और “2250 रु. प्रति सेट” के स्थान पर क्रमशः “1750 रु. प्रति सेट” और “2000 रु. प्रति सेट” प्रबिल्डियों रखी जायेंगी।
- (5) क्रम सं. 18 के सामने, स्तम्भ (4) में, प्रबिल्डियों “3000 रु. प्रति सेट”, “3250 रु. प्रति सेट” और “4750 रु. प्रति सेट” के स्थान पर क्रमशः “2600 रु. प्रति सेट”, “2850 रु. प्रति सेट” और “4350 रु. प्रति सेट” प्रबिल्डियों रखी जायेंगी।

(vi) after Sl. No. 18 and the entries relating thereto, the following Sl. No. and entries shall be inserted, namely :

(6) क्रम सं. 18 और उससे संबंधित प्रबिल्डियों के प्रवाह स्थिति निम्नलिखित क्रम सं. और प्रबिल्डियों अन्तःस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
“18A 8528.00	55 सं. मो. से अधिक प्राकार के पट्टे वाले टेलीवीजन रिमीडिय (मोनोफोन से फिल)	मूल्य का 50 प्रतिशत”		

[F. No. 348/26/92-TRU. आर. मू. राजीव शर्मा, अध्यक्ष सचिव]

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1992

No. 72/92 CENTRAL EXCISES

G.S.R. 607(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 87/89-Central Excises, dated the 1st March, 1989, namely :—

In the Table annexed to the said notification,—

- (i) against Sl.No. 6, in column (4), the entries “Rs. 2700 per set” and “Rs. 2900 per set”, the entries “Rs. 2300 per set” and “Rs. 2500 per set” respectively shall be substituted ;
- (ii) against Sl. No. 6A in column (4), for the entries “Rs. 1900 per set” and “Rs. 2100 per set” the entries “Rs. 1650 per set” and “Rs. 1850 per set” respectively shall be substituted ;
- (iii) against Sl. No. 6B, for the entry in column (4), the entry “25 per cent advalorem” shall be substituted ;
- (iv) against Sl. No. 17, in column (4), for the entries “Rs. 2000 per set”, “Rs. 2250 per set” and entries “Rs. 1750 per set” and “Rs. 2000 per set” respectively shall be substituted ;
- (v) against Sl. No. 18, in column (4), for the entries “Rs. 3000 per set”, “Rs. 3250 per set” and “Rs. 4750 per set, the entries “Rs. 2600 per set”, “Rs. 2850 per set” and “Rs. 4350 per set”, respectively shall be substituted ;

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
“18A. 8528.00	Television receivers (other than monochrome) of screen size exceeding 55 centimetres.		50% ad valorem”.	

[F. No. 348/26/92-TRU]
RAJIV SHARMA, Under Secy.

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून 1992

मं. 73/92-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 608(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 121/89—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 27 अप्रैल, 1989 का निम्नलिखित और संशोधन करनी चाहयात् ।—

उक्त अधिसूचना से उपादान सारणी में, श्रम सं. 2 के सामने, स्तम्भ (4) में, प्रविष्टियों “1500 रु. प्रति ट्यूब” और “1750 रु. प्रति ट्यूब” के स्थान पर श्रमण: “1250 रु. प्रति ट्यूब” और “1350 रु. प्रति ट्यूब” प्रविष्टियाँ रखी जायेंगी।

[का. सं. 348/26/92-टी.आर.यू.]

राजीव शर्मा, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1992

NO. 73/92-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 608(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 121/89-Central Excises, dated the 27th April, 1989, namely:—

In the said notification, in the Table annexed thereto, against S. No. 2 in column (4), for the entries “Rs. 1500 per tube” and “Rs. 1750 per tube”, the entries “Rs. 1250 per tube” and “Rs. 1350 per tube” shall respectively be substituted.

[F. No. 348/26/92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 1992

सं. 73/92-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.नि. 609(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, यह निम्न देशों हैं कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) को प्रत्येक प्रधिसूचना का, जो हमसे उपार्थ नामी के स्तम्भ (2) में विविध है, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की सत्याजी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति में और संशोधन किया जाएगा।

सारणी

श्रम सं.	प्रधिसूचना सं. और तारीख	संशोधन
(1)	(2)	(3)
—	—	—

1. 162/86—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1986

उक्त प्रधिसूचना से उपादान सारणी में,—

(i) श्रम सं. 2 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित श्रम सं. और प्रविष्टियाँ अंतःस्थापित की जाएंगी भर्यात्:—

1 2 3 4 5

“2क. 87.03 सबो माल मूल्य का पचास प्रतिशत”—

(ii) श्रम सं. 12 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित श्रम सं. और प्रविष्टियाँ अंतःस्थापित की जाएंगी, भर्यात्:—

(1) (2) (3) (4) (5)

“12क. 87.06 शोष सं. 87.03 मूल्य का पचास —”
के मोटरयानों के प्रतिशत
लिए चेसिस जिनमें
इजन किट किए
गए हैं।

(2) 462/86—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, उक्त प्रधिसूचना में, “मूल्य का 15%” शब्द और अंकों के स्थान पर “मूल्य का 10%” शब्द और अंक रखे जाएंगे।
तारीख 9 दिसंबर, 1986(3) 257/88—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, उक्त प्रधिसूचना में, “मूल्य का 15%” शब्द और अंकों के स्थान पर “मूल्य का 10%” शब्द और अंक रखे जाएंगे।
तारीख 30 सितंबर, 1988।[का. सं. 25/./92-टी.आर.यू.]
राजीव शर्मा, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1992

No. 74/92-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 609(E).—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), specified in column (2) of the table hereto annexed shall be further amended in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

No.	Notification No. and date	Amendment
(1)	(2)	(3)
1. 162/86-Central Excises In the Table annexed to the said notification-- dated the 1st March, (i) after Sl. No. 2 and the entries relating thereto the following S.No. and entries shall be inserted, namely :--		
(1)	(2)	(3)
	"2A 87.03	All goods Fifty percent ad valorem
(ii) after Sl. No. 12 and the entries relating thereto the following Sl. No. and entries shall be inserted, namely :--		
(1)	(2)	(3)
	"12A. 87.06	Chassis fitted with fifty percent engines for the motor ad valorem vehicles of heading No. 87.03
(2) 462/86-Central Excises, dated the 9th December, 1986		
In the said notification, for the figures and words "15% ad valorem" the figures and words "10% ad valorem" shall be substituted.		
(3) 257/88-Central Excises, dated the 30th September, 1988		
In the said notification, for the figures and words "15% ad valorem" the figures and words "10% ad valorem" shall be substituted.		

[F.No. B25/3/92-TRU]

RAJIV SHARMA. Under Secy.

प्रधिसूचना

मई शिल्पी, 19 जून, 1992

नं. 215/92-सीमानुक्रम

सा. का. नि. 610(प्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमानुक्रम प्रविनियम, 1962 (1962 का 52) की वारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शब्दों परा प्रयोग करते हुए, अपना यह समाचार हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमानुक्रम टैकिक प्रविनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रत्युषी के घटाय 28, 29, 30 या 31 के अंतर्गत आने वाले और इसमें उपावद्ध सारणी के संग (3) में विनिविष्ट माल को, जब उसका भारत में आयल उक्त सारणी के स्तरम् (2) में विनिविष्ट प्रथम और द्वितीयों के विनियोग के लिए किया जाए, उक्त गहरे प्रत्युषी में विनिविष्ट उम पर नियमणीय उनमे सीमानुक्रम से, जिहता मूल्य के 35 प्रतिशत को बर पर संगति रकम से अधिक है, कुट देती है।

परन्तु यह तथा कि आयातकर्ता ने इस आयात का एक बचनबद्ध किया हो कि—

(क) उक्त आयातकर्ता का उपलीग पूर्वोत्तम विनिविष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;

(ख) विनिमयी पूर्वोत्तम प्रयोजन के लिए विनियोग के स्तर पर प्राप्त और प्रयुक्त उक्त आयातकर्ता माल का लेखा सहायक सीमानुक्रम करकर वारा विनिविष्ट रीति में रखेगा;

(३) वह आधारित की जानीजो कि ० माल की कालाबद्धि के बीचर या ऐसी बड़ाई या आलाबद्धि के बीचर को सम्भालक सीमावूलक कलंकदर भ्रुतात करे, विमिसिए के खाल के विनाश या जाबाहित भाल की प्राप्ति के नाकाम्यकाल विमिसिए हारा सम्पूर्ण स्थि ये प्रमाणित ऐसे लेखा का सहृदय अलून करेता; और

(४) वह, अपरोक्ष (क), (ख), या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहा की दण में, प्राग किए जाने पर, उत्तरी रकम का वंदाय करेता, जो यदि उसमें अस्तित्व शूट न होती जो उस आवाहित माल की ऐसी माला पर उद्यग्नीय गुरुक और आशत के समय पहले हो संवत्त शुल्क वीक्षण अनुदर के बराबर हो।

परन्तु इस अधिभूतना की किसी भाव का इस अधिभूतना में निर्दिष्ट माल की बराबर उक्त अनुचुची में विनिर्दिष्ट सीमावूलक में व्यापक प्रवृत्त भारत भरकार की शिर्षी आत्म अधिभूतना के अत्रीन दी गई छठ पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

मारणी

क्र.नं. प्रपुज ओषधि का नाम (जिनके अन्तर्गत उत्तरा लक्षण और एम्टर है)

माल

(१)	(२)	(३)
1. ६-ए पी ए	पंचीसिलिन् और एमीडेम। एसाइलज्ड	
2. ७-ए. डी. सी. ए.	१. पंचोमिलिन जी एसीएन/एसालेज १. डाइ मिथाइल डाइ क्लोरो मिथेन १. हैक्सामिथाइल इडिमिलाजेन ४. ट्राइ मिथाइल क्लोरोग्लिमेन	
३. एलनडजोल	१. मिथाइल क्लोरोफरेस्ट	
४. अल ग्राजोल	१. २-क्लोरो-५ फिनोइल-२ यांगोनो डायाजीपील ३. ३ डाइ हाइड्रो-१८-१. ५-ब्यो	
५. एस्ट्रीजोलील	३. एस्ट्रीजाइल	
६. एटीनोलोल	१. ४-प्रोटो-५-एन-कारनियोक्सी पिथरोडीन २. पी-ल्युओरोनेत्जाइल ग्रोमाइड या पी-ल्युओरेंजेजाइल क्लोरोइड या पी-प्लुओरोटोल्यूइन	
७. एर्जीनास्टीन/एजीटोल	३. २-(१-पिथोक्सी फिनियाइल) इथाइल मिथेन मल्फोनेट या ४-पिथोक्सी-फिनियाइल श्रोमाइड या पेरामिथोक्सी फिनोइल इथाइल ग्रीन। १-ग्रीनो-२-(पिथोक्सी फिनोइल) इथेन या पी-पिथोक्सी फिनोइल इथाइल अल्कोहोल	
८. बेस्टोमिथामोन	४. हाइड्रोमिसिल अमान एच मी एल	
९. विटामीनायोन	१. एपोक्लोरोहाइड्रिन २. आइसोप्रोपाइल ग्रीनोन	
१०. विटामीनायोन	३. एन-क्लोरो मार्कीनीमाइड	
११. व्रोमेनिस्ट्रन	१. प्रोपीक्लोरिनिक एनहाइड्रिन २. एन-क्लोरोमार्किमिलिमाइड	
१२. ब्रोनोपोल	१. एन-क्लोरो/क्लोरो मिस्नीमाइड २. १, ३ डाइबोयो-५, ५-डाइमिथाइल हाइड्रोटाइन (कोमनटिन) ३. ग्रोपियोनिक एन हाइड्राइट	
१३. अबूडीनोरपिन	पिरिडिन-२-एलीहाइड	
	१. ब्रोमिन २. एन-माइक्सीहेक्जाइल मिथाइलअमीन ३. एन-मिथाइलमाइक्सो हेक्साइल अमीन	
	नाइट्रोमिथेन	
	१. मिथाइल ऑनाइल ग्रीटेन २. ट्राइमरो ड्युडाइल डीराइट ३. नाइक्सोप्रोपाइल मिथाइल ग्रीमाइड	

1 2

3

14. बसरीरान

1. पिरामिडीन पिरराक्षीन
2. 3-3-टेट्रामिथाइलोन ग्लुटारिक एसोड
3. 1, 4 डाइब्रोमोब्यूटेन या साइक्लोपेन्टानोन
4. 2-पेन्टानोन

15. केस्टोप्रिस

1. मिथाएकीलीक एसीड
2. यावोएसिटिक एसीड
3. डाइसाक्लोब्रेक्साइलामीन
4. ही एम-3-बेजोहल-मरक्पटो-2-मिथाइस प्रोपियोलिक एसोड और एच-प्रोलिन या एल-प्रोलिन-3-एसीटाइल यिंवो-2-मिथाइल-प्रोपियोनामाइड

16. कार्लामार्जीपीन

1. 2-फ्लोरोमिथाइल नाइट्रो बेंजीन/2-नाइट्रो बेर्जाइल बलोराइड
2. मिथाइल यावो युरीया
3. 10, 11-डाइहाइड्रो-5-एच-क्षावेन्झ (बी, एफ) एजीपीन या इमीनोडस्टी-लविन या डाइनेज (बी, एफ) एजीपीन या श्मोनो डाइ बेजाइस

17. सेफाक्लोर

1. पोली-4-बीनाइल पाहराईन
 2. द्राइ फिनाइल फाल्कीन
- डाइमिथाइल डाइक्सीटोरो मिकेन

18. सेफाक्लोनिसन/सेफाक्लोनिसल

1. 7-ऐंसी गे

2. ड्राइफिनाइल कोम्प्लीन

1. 7-ऐंसी ऐ

2. ड्राइफिनाइल कोम्प्लीन

1. 3-ग्रनीर्नीना बलोरेबेंजोन

2. 3-हाइड्रायलप्रमीनो-1-बलोरोप्रोपेन

एन-प्रोपाइलमीन

20. सेफाक्लोइमाइसोन

1. 2, 4-डाइबलोरोफ्लोरो बेंजीन या 3-बलोरो-4-फ्लोरोएनीलिन

2. साइक्लोप्रोपाइल अमीन

3. ड्राइमिथाइल/इथाइल आबोफारसेट

4. पिपराजीन निर्जीन

हाइड्रोफिसल अमीन सन्फेट

2. 3-(2-बलोरोफिनाइल)-5-मिथाइल-4-माइसो एक्सीलिक कारबोक्सिलिक एसीड या 3-(2-बलोरोफिनाइल)-5-मिथाइल भावासो एक्साजोलिन-4-कारबोनिल बलोराइड (सी. ब्राह. एम. सी. कलोराइड)

21. क्लोरोप्रोग्रामीन

1. ओटोनिक अम्ल

2. एन-ड्याइल-जो-टील्युड्डीन

हाइड्रोमिसल अमीन एच सी एल

1. एल-टारटरिक अम्ल/डेक्टोटारटरिक अम्ल/डी-टारटरिक अम्ल /(+)—टारटरिक अम्ल या डी-फेफ्कर सलफोनिक अम्ल

2. प्रोटोटोफिलोन

1. डाइक्लोरो एनीयिन

2. 2-इम्डोलिमोन

3. ओ-बलोरोफिनाइल एसिटिक अम्ल

4. ग्रोमोतेन्जीन

बेलोजाइनाइडाइल

22. डेनार्जील

1. डेटोल

2. डाइक्लोरो एसिटाइल बलोराइड

23. डेनार्जीलेनफ

1. ग्री-एनिसेटडीहाइड

2. डी (+) अल्फा फिनाइलइथाइलामीन

24. डेनार्जीलेनफ

1. ग्राफिनाइल एसीटोमाइड

2. 1-(2-बलोरोइथाइल) पाइपरीजीन एच सी एल

25. डेनार्जीलेनफ

26. डेनार्जीलेनफ

27. डेनार्जीलेनफमीकीन

28. डेनार्जीलेनफ

29. डेनार्जीलेनफमीकीन

30. डेनार्जीलेनफमीकीन

31. डिस्टीयाजेम

32. डेनार्जीलेनफमीकीन इथाइल एसेटामाइड

1	2	3
33. डाइफिनाइल पाइरालिम		1. एन-मियाइल पराइपरिफिल-4-ओल 2. आइफेनमियाइल ब्रोमाइड
34. डाइसोपाइमासाइट		2-क्लोरो पाइरिफिल
35. होमपेनिक्लोन		1. 1. अमीनो-एन-कारबीयोक्लो शिपरीडीन 2. 2. 4-डाइक्लोरो नाइट्रो बैंजीन
36. इकानोजोल नाइट्रोट		इमिडाजोल
37. इमलाप्रिप		एन-[(1-5 इथोक्लिम कारब्नोनिल-3-फिलाइल) प्रोपाइल] एलानिन
38. इटोप्रोमाइड		1. बैंजाइल/ब्लॉको फोर्मेट 2. द्राईमूटीयिन ऑक्साइड
39. फेमोटीजीन		1. 1, 3-डाइक्लोरो रोएसीटोन 2. 3-क्लोरो प्रोपियोनाइट्रोइल
40. फलुओरोजीटीन		1. 2-क्लोरोप्रिमिडिन 2. 4-क्लोरोब्लॉक्टोनाइट्रोइल
41. गरमाइडप्रोफेन		1. 2-4 डाइ-फ्लूओरो नाइट्रो नित्रोजीक अम्ल या 2, 4-डाइक्लोरो-5-मलकामिल बैंजीक अम्ल
42. फ्रीमाइड/परसीमाइड		2. फरफ्युग्राइलामिन
43. फ्रूटोलिखोन		बिटाइड्रोक्लिप इथाइल हाइड्रोजीन
44. जेमफिलोक्लिम		2. 2-डाइमिथाइल-5-(2, 5-डाइलिसोस्टाइल) प्रीपिल ब्रोमाइड
45. इड्रोप्रोफेन		1. 2-क्लोरो नित्रोप्रोपियोनिक अम्ल 2. नियो-ऐन्टाइल-2-नाइकोन
46. इमिप्रेमाइल		1. इमीनोडाइब्लैन्जाइल 2. एन, एम-डाइमिथाइल एमीनो प्रोपाइल नसोराइड एच सी. एल.
47. इमाइसोप्रोपामाइड शायोशाइट		1. 2-डाइ-शाइसो प्रोपाइल अमीनो इथानोल 2. डाइफिनाइल एमीटोनाइट्रोइल
48. लोपग्रामाइड		1. एस-कारबनोथोक्लिम-1-पिपरीडोन 2. एन-एसील-4-जोक्लोपिपीडोन
49. मेह्रोविसप्रोजेस्टोरोन		1. 7-एमिटोएसिटोक्लो श्रोजेस्टेरोन
50. मेटाप्रोटेरेत्रोन		1. 3, 5-डाइ-एसिटोक्लिस एसिटो फिलोन या 3, 5-डाइ लाइड्रोक्लिस एसिटो-फिलोन या 3, 5-बैंजिलोक्लिस एसिटोक्लिनोन 2. आईसोप्रोपाइलामाइल
51. मेटोप्रोलोल		1. बेथोक्लिमिल इपोक्लिस प्रोपक्लिस बैंजीन 2. आइड्रो प्रोपाइलामाइल
52. माइक्रोलाजोल		2. 4-डाइक्लोरोफेनेमिल फ्लोराइड
53. शीगलेल सिट्रेट		3-मियाइल शायोफीन
54. नेप्रोक्लिन		1. हाइमिसलामाइन सल्फेट 2. एस-टारटारिक एसिड/डेक्लो-टारटारिक एसिड/शी-टारटारिक एसिड (+)-टार-टारिक एसिड
55. नाइट्रोस्टार्वेनिन एच. सी. एल.		ब्रोमी एमीनो फिलोन
56. नीरस्टोस्टामिन		निंज़ॅल पिपरिजिन
57. ओक्सेनोलोल एच. सी. एल.		पाइरोकेटीकोल
58. पेन्लोक्लेसिग		1. 3-मलोरो-4-फ्लूओरो एनीलीन 2. पिपराजिन निंज़ॅल
59. प्रोक्लेन एच. सी. एल.		पी-नाइट्रोबैन्जीक अम्ल
60. प्रोक्लोरोप्रेगजीन		1. 2-मलोरोफेनोरीथ्रोजाजीन 2. 4-पियाइल-1-(3-क्लोरोक्लिनाइल) पिपराजीन 2 एच सी. एल या 1-क्लोरो-3-शीमो प्रोपेन जीर एन-मियाइल पिपराजिन

1 2

3

61. प्रोपेनाजीन	1. डाइ मियोइल मरीनो-2-मसोरोप्रोपेन एच.डी.ए.
62. प्रोपेनीलीन	1. डाइ-जाइस्प्रोपिलिनानो प्रथासोल 2. जैनबेनोइक अम्ल
63. श्रीप्रेमोलोल	ग्रेका नेफबोल
64. पाइराम्टेल	1. आयोफीन 2. आयोएसोटीमाइड
65. पाइरा जीनामाइडे	आयो फिनाइलने डिमाइड या 2-नाइट्रोपाइराम्टेल
66. सोडियम कोमोगलाइकोट	1. 2, 6-दाइहाइड्रोनिम एसीटोफिनोन
67. स्टेनोजोनोल	1,7-प्रल्फामिकाइल एम्झोट्रोने निहियोन
68. चुकालफेट	पाइरिहिन या विटा-पिकोलिन
69. सल्फामोक्सोल	1. कैलसियम साइयनामाइड 2. ब्यूटीनोल ओल 5.5 प्रतिशत
70. दीकारसीलीन	3-आइएनाइल मेलोमिक अम्ल
71. टोल्डेवार्ट	एन-विटाइल-3-इम्युहिन
72. ड्राइमिथोप्रिम	बेनिमिन
73. बेरापामिस्ट	बेनिमिन
74. विटामिस ई (प्रल्फा टोकोफिरोल)	2, 3, 6-दाइमिकाइल फेरोन

[का. नं. 346/21/92-डी. आर. श.]

राजीव गांधी, अमर लक्ष्मि

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1992

No. 215/92-CUSTOMS

G.S.R. 610(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in column (3) of the Table annexed hereto and falling within Chapter 28, 29, 30 or 39 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for manufacture of bulk drugs (including salts and esters thereof) specified in column (2) of the said Table, from so much of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, as is in excess of 35 per cent ad valorem :

Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that —

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained by the manufacturer in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the said manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months from the date of importation or such extended period as the Assistant Collector may allow; and
- (d) he shall pay on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) and (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

Provided that nothing contained in this notification shall affect the exemption granted under any other notification of the Government of India for the time being in force from the duty of customs specified in the said Schedule in respect of goods referred to in this notification.

THE TABLE

Sl. No.	Name of the Bulk Drug (including its Salts & Esters)	Goods
(1)	(2)	(3)
1.	6-APA	Pencillin G Amidase/Acylase
2.	7-ADCA	1. Pencillin G Amidase/Acylase 2. Dimethyl Dichloro Silane 3. Hexamethyl Disila zane 4. Trimethyl Chloro Silane
3.	Albendazole	1. Methyl chloroformate 2. N-Propyl Mercaptan
4.	Alprazolam	1. 7-Chloro-5-phenyl-2-thiono-2, 3-dihydro-IH-1, 4-benzodiazepin 2. Acetyl hydrazide
5.	Astemizol	1. 4-Amin-N-Carbethoxy 2. p-Fluorobenzyl bromide or p-Flurobenzyl chloride or p-Fluro toluene 3. 2-(4-methoxyphenethyl) ethyl methane sulphonate or 4-Methoxyphenethyl bromide or p-Methoxy Phenylethylamine/ 1-Amino-2-(methoxyphenyl) ethane or p-Methoxy Phenylethylalcohol 4. Hydroxylamine HCl
6.	Atenolol	1. Epichlorhydrin 2. Isopropylamine
7.	Azelastin/Azeptin	N-Bromosuccinimide
8.	Beclomethasone	1. Propionic anhydride 2. N-chlorosuccinimide
9.	Betamethasone	1. N-Bromo/chloro Succinimide 2. 1,3-Dibromo-5, 5-dimethyl hydantoin (Bromantin) 3. Propionic anhydride
10.	Bisacodyl	Pyridin-2-Aldelyde
11.	Bromhexine	1. Bromine 2. N-Cyclohexylmethylamine or N-Methylcyclohexylamine
12.	Bronopol	Nitromethane
13.	Buprinorphine	1. Methyl Vinyl Ketone 2. Tertiary Butyl chloride 3. Cyclopropylmethylbromide
14.	Buspirone	1. Pyrimidyl Piperazine 2. 3, 3-Tetramethylene Glutaric Acid 3. 1, 4-Dibromobutane or Cyclopentanone 4. 2-Pentanol

(1) (2)

(3)

15. Captopril	1. Methacrylic acid 2. Thioglycolic acid 3. Dicyclohexylamine 4. DL-3-Benzoyl Mercapto-2-Methyl-propionic acid and L-Proline or L-Proline-3-acetyl thio-2-methyl-propionamide
16. Carbamazepine	1. 2-Chloromethyl nitrobenzene/ 2-Nitrobenzyl chloride 2. Methyl thiourea 3. 10, 11-dihydro-5H-dibenz (b, f)azepine or Iminostilbene or Dibenz (b, f)azepine or iminodibenzyl
17. Cefaclor	1. Poly-4-Vinyl Pyridine 2. Triphenyl Phosphine
18. Cefadroxil/Cephadroxyl	Dimethyl Dichloro Silane
19. Cefatoxime	1. 7-ACA 2. Triphenyl Phosphine
20. Ceftriaxone	1. 7-ACA 2. Triphenyl Phosphine
21. Chlorpromazine	1. 3-Anilino chlorobenzene 2. 3-Diethylamino-1-chloropropane
22. Chlorpropamide	n-Propylamine
23. Ciprofloxacin	1. 2,4-Dichloro Fluorobenzene or 3-Chloro-4-Fluoro aniline 2. Cyclopropylamine 3. Tri Methyl/Etyl Orthoformate 4. Piperazine Anhydrous
24. Cloxacillin	1. Hydroxylamine Sulphate 2. 3-(2-Chlorophenyl)-5-Methyl-4-Isoxazolyl Carboxylic Acid or 3-(2-Chlorophenyl)-5-Methyl Isoxazolyl-4-Carbonyl Chloride (CIMC Chloride)
25. Crotamiton	1. Grotamic Acid 2. N-Ethyl-o-Toluidine Hydroxylamine HCL
26. Danazol	
27. Dextropropoxyphene	1. L-Tartaric acid/Dextro Tartaric acid/d-Tartaric Acid or (+)-Tartaric Acid or D-Cainphor sulphonic Acid 2. Propiophenone
28. Diclofanc	1. Dichloroaniline 2. 2-Indolinone 3. O-Chloro phenyl acetic acid 4. Bromobenzene

(1)	(2)	(3)
29. Dihydralazine		Phtalodinitrile
30. Diloxanide		1. Metol 2. Dichloroacetyl chloride
31. Filtiazem		1. p-Anisaldehyde 2. D(+) Alpha Phenylethylamine
32. Diphenyl piperidino-ethyl Acetamide		1. Diphenylacetonitrile 2. 1-(2-Chloroethyl) piperidine HCL
33. Diphenyl Pyraline		1. N-Methylpiperidine-4-ol 2. Diphenmethyl bromide
34. Disopyramide		2-Chloropyridine
35. Domperidone		1. 4-Amino-N-Carbethoxy piperidine 2. 2,4-Dichloro nitro benzene Imidazole
36. Eanozel Nitrate		N-(1-S-Ethoxy Carbanoyl -3-phenyl) propyl}Alanine
37. Enalapril		1. Benzylchloroformate 2. Tributyltin Oxide
38. Etoposide		1. 1,3-Dichloro Acetone 2. 3-Chloro Propionitrile
39. Famotidine		1. 2-Chloro Pyrimidine 2. 4-Chloro Butyronitrile
40. Fluxetin		2,4-Difluoro nitrobenzene
41. Fluribiprofen		1. 2,4-Dichloro toluene or 2,4-Dichloro benzoic Acid or 2,4-Dichloro-5-sulfamoyl benzoic acid 2. Furfury lamine
42. Frusemide/Furosemide		Betahydroxyethylhydrazine 2,2-Dimethyl-5-(2,5-Xylyloxy)-propyl bromide
43. Furazolidone		1. 2-Chloropropionic acid 2. Neo-pentyl glycol
44. Gemfibrozil		1. Iminodibenzyl 2. N, N-Dimethylamino Propylchloride HCL
45. Ibuprofen		1. 2-Di-isopropylamino ethanol 2. Diphenylacetonitrile
46. Imipramine		1. N-carbethoxy-1-piperidone 2. N-Acyl-4-oxo-piperidine
47. Isopropamide Iodide		17. Acetoxyprogesterone
48. Loperamide		1. 3,5-Diacetoxy acetophenone or 3,5-Dihydroxy acetophenone or 3,5-Benzylxy acetophenone 2. Isopropylamine
49. Medroxyprogesterone		
50. Metaproterenol		

(1)

(2)

(3)

51. Metoprolol	1. Methoxyethyl epoxypropoxy benzene 2. Isopropylamine
52. Miconazole	2,4-Dichlorophenacyl chloride
. Morantel Citrate	3-Methyl Thiophene
. Naproxen	1. Hydroxylamine Sulphate 2. L-Tartaric acid/Dextro Tartaric Acid/d-Tartaric Acid/(+) -Tartaric Acid
55. Nitroxazepine HCl	Ortho Aminophenol
56. Norfloxacin	Anhydrous Piperazine
57. Oxprenolol HCl	Pyrocatechol
58. Pefloxacin	1. 3-Chloro-4-Fluoro Aniline 2. Piperazine Anhydrous
59. Procaine HCl	p-Nitrobenzoic Acid
60. Prochlorperazine	1. 2-Chlorophenothiazine 2. 4-Methyl-1-(3-Chlorophenyl) Piperazine 2HCl or 1-Chloro-3-Bromopropane and N-Methyl Piperazine.
61. Promethazine	1-Dimethylamino-2-Chloropropane HCl
62. Propantheline	1. Di-isopropylamino ethanol 2. Xanthanoic Acid
63. Propranolol	Alpha Naphthol
64. Pyrantel	1. Thiophene 2. Thiocetamide
65. Pyrazinamide	Ortho phenylenediamine or 2-Cyanopyrazine
66. Sodium Cromoglycate	2,6-Dihydroxy Acetophenone
67. Stanozolol	17-alpha-Methyl Androstenedial
68. Sucralfate	Pyridine or Beta-Picoline
69. Sulphamoxole	1. Calcium Cyanamide 2. Butinol Solution 55%
70. Ticarcillin	3-Tbonyl malonic acid
71. Tolnaftate	N-Methyl-3-Toluidine
72. Trimethoprim	Vanillin
73. Verapamil	Vanillin
74. Vitamin E (alpha Tocopherol)	2,3,6-Trimethyl Phenol

[F.No. 346/21/92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

Explanatory Notes : This notification extends a concessional rate of basic customs duty of 35% ad valorem to specified intermediates for the manufacture of specified bulk drugs subject to certain conditions.

प्रधिकारना		(1)	(2)
क्रम नं.	मात्रा का वर्णन		
(1)	(2)		
1.	एसीकोर्टिवर		
2.	ऐमीकोर्मिन		
3.	ऐमिसोडरोन		
4.	ऐमिट्रिपदाईलाइन एन.गी.एम.		
5.	एट्रोपाइन		
6.	बेग्लैटिमिन ट्रिक		
7.	बिकॉम्पसिलीन		
8.	फैल्सियम पैटोथिनेट श्रीर पैथोनोन		
9.	कैट्रोप्रिल		
10.	काबिनोसिनोन सोडियम		
11.	काबिनोनिक्सोनोन		
12.	मिफांट्रोविसल		
13.	मिफांट्रोनाइन मोडियम		
14.	क्लोरोप्रोमाजाइन		
15.	सिमेटिडीन		
16.	ड्राइ प्रीशमोल		
17.	डोक्साहिविमिन		
18.	एगोमेट्रिन		
19.	फल्गुनीनोन एसिटोनाइट		
20.	ग्राईमोफाक्षविन		
21.	हैलोपेराडोल		
22.	होमाट्रोपाइन		
23.	हायोमिन		
24.	निकोमाइमिन		
25.	लिथियम कार्बोनिट		
26.	लिथियम कार्बोनिट		
27.	नियोमाइमिन		
28.	नाइट्रोजन मस्टर्ड		
29.	नायट्रिप्टिकोरोन		
30.	नोर्जेस्ट्रोल		
31.	निपटेटिन		
32.	ओफीरीश्रार्जेन		
33.	ओमीरीफेट्रोन एन.सी.एल		
34.	पीटार्जेमिन		
35.	फिलाइथ्रोफीन		
36.	पिर्स्कोरोन		
37.	पाइमोट्रोड		
38.	पोर्वामिवसीन-बी एलपेट		
39.	पाइमापिविन		
40.	प्रोकार्बोजाइन		
41.	पाइरीमिथामाइन		
42.	पाइरीलायोर्मिन		
43.	पाइरीथिलडोन		
44.	मल्वांजोमल्कापार्बान		
45.	मोडियम ट्रिटोबोएन्ट्रोनेट		
46.	नायभाईनिन कोर्नीन थ्रोन-ईच		
47.	मलफारोनिम		
48.	मन्कामेथोपाइएजाईन		
49.	द्राईग्रामिसिनोलोन		
50.	द्राईग्रामट्रीन		
51.	द्राईमीप्रामीन		
52.	पेरापामिल		

- | 1 | 2 |
|-------------------------------------|---|
| 4. Amitriptyline HCl | |
| 5. Atropine | |
| 6. Bacitracin Zinc | |
| 7. Bevacizumab | |
| 8. Calcium Pantothenate & Panthenol | |
| 9. Captropril | |
| 10. Carbamazepine | |
| 11. Carbenicillin Sodium | |
| 12. Carbenixolone | |
| 13. Cefadroxil | |
| 14. Cefazolin Sodium | |
| 15. Chlorpromazine | |
| 16. Cimetidine | |
| 17. Dipyridamole | |
| 18. Doxorubicin | |
| 19. Egrometrine | |
| 20. Flucinolone Acetonide | |
| 21. Griseofulvin | |
| 22. Haloperidol | |
| 23. Homatropine | |
| 24. Hyoscine | |
| 25. Lincomycin | |
| 26. Lithium Carbonate | |
| 27. Neomycin | |
| 28. Nitrogen Mustard | |
| 29. Norethisterone | |
| 30. Norgestrol | |
| 31. Nystatin | |
| 32. Oxethazaine | |
| 33. Oxyfedrine HCl | |
| 34. Pentazocin | |
| 35. Phenyl Ephrine | |
| 36. Pilocarpine | |
| 37. Pimozone | |
| 38. Polymixin-B Sulphate | |
| 39. Primaquine | |
| 40. Procyclidine | |
| 41. Pyrimethamine | |
| 42. Pyrithioxine | |
| 43. Pyrithyldione | |
| 44. Salazosulphapyrine | |
| 45. Sodium Stibogluconate | |
| 46. Succinyl Choline Chloride | |
| 47. Sulphadoxine | |
| 48. Sulphamethopyrazine | |
| 49. Triamcinolone | |
| 50. Triamterene | |
| 51. Trimipramine | |
| 52. Verapamil | |

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 1992

सं 217/92-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 612 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाते पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिसूचना सं. 166/92-सीमाशुल्क, तारीख 30 अप्रैल, 1992 का निम्नलिखित संशोधन करना है, प्रथम :—

उक्त प्रधिसूचना में, “मूल्य का 50 प्रतिशत” शब्दों और अंकों के स्थान पर, “मूल्य का 25 प्रतिशत” एवं और अक्षर रखे जायेंगे।

[फा.सं. 346/21/92-टी.भार.पू.]

राजीव शर्मा, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1992

NO. 217/92-CUSTOMS

G.S.R. 612(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 166/92-Customs, dated the 30th April, 1992, namely :—

In the said notification, for the figures and words “50 per cent ad valorem”, the figures and words “25 per cent ad valorem” shall be substituted.

[F. No. 346/21/92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 1992

सं 218/92-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 613(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाते पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिसूचना सं. 58/85-सीमाशुल्क, तारीख 17 मार्च, 1985 का निम्नलिखित संशोधन करतो है, प्रथम :—

उक्त प्रधिसूचना में, “मूल्य का 20 प्रतिशत” शब्दों और अंकों के स्थान पर, “मूल्य का 10 प्रतिशत” एवं और अक्षर रखे जायेंगे।

[फा.सं. 354/26/92-टी.भार.पू.]

राजीव शर्मा, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1992

NO. 218/92-CUSTOMS

G.S.R. 613(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 58/85-Customs, dated the 17th March, 1985, namely :—

In the said notification, for the figures and words “20 per cent ad valorem”, the figures and words “10 per cent ad valorem” shall be substituted.

[F. No. 354/26/92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

[F.No. 346/21/92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 1992
सं. 219/92-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 614 (अ)---केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1985 (1985 का 32) की धारा 44 की उपधारा (3) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, पहले वर्णित अधिनियम की पांचवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट सभी मानकों उम्म पहले अधिनियम की धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन उम्म पर उत्प्रहणाया समस्त अतिरिक्त सीमाशुल्क से छूट देनी है।

[फा.म. 348/26/92-टी.प्रार.भ.]
राजीव शर्मा, अव० सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1992
NO. 219/92-CUSTOMS

G.S.R. 614(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (3) of section 44 of the Finance Act, 1985 (32 of 1985), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts all goods specified in the Fifth Schedule to the second mentioned Act from the whole of the additional duty of customs leviable thereon under sub-section (1) of section 44 of the said second Act.

[F. No. 348/26/92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 1992
सं. 220/92-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 615 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना मं. 83/85 सीमाशुल्क, तारीख 17 मार्च, 1985 को विरुद्धित करनी है।

[फा.म. 348/26/92-टी.प्रार.भ.]
राजीव शर्मा, अव० सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1992
NO. 220/92-CUSTOMS

G.S.R. 615(F).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 83/85-Customs, dated the 17th March, 1985.

[F. No. 348/26/92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 1992
सं. 221/92-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 616 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त

शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, 1000 घन मीट्रीमीटर से अधिक इंजन क्षमता वाली इंधन-दक्ष मीटर कारों के विनियोग के लिए, अपेक्षित संचाटकों को (जिनके अन्तर्बोध अद्य अवघात पैक और पूर्णतया अवघात पैक से इंधन-दक्ष मीटर कारों के संचाटक हैं) :

(क) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) को पहली अनुमती के अधीन उन पर उत्प्रहणीय उत्तर सीमाशुल्क से, जिनका मूल्य के 40 प्रतिशत की वर्त पर संचाटक रकम से अधिक है ; और

(ख) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उत्प्रहणीय समस्त अनिवार्य शब्दों में,

निम्नलिखित शब्दों के अधीन उन्हें हुए, छूट देनी है, अर्थात्:

(i) इसमें अनिवार्य छूट, 1000 घन मीट्रीमीटर से अधिक इंजन क्षमता वाली इंधन-दक्ष मीटरकारों के विनियोग के लिए, अपेक्षित केवल उन्हीं संचाटकों को (जिनके अन्तर्बोध अद्य अवघात पैक और पूर्णतया अवघात पैक से इंधन-दक्ष मीटर कारों के संचाटक हैं) लागू होनी जो नक्कीकी विकास महानिवेशालय के ओर्डोगिक मलाहकार या ग्राम ओर्डोगिक सलाहकार में अनिवार्य पंक्ति के अधिकारी द्वारा प्रमाणित सूचियों के अन्तर्गत आने हैं,

(ii) आधानकर्ता, सीमाशुल्क सहायक कलकटर के समझ इस आशय का साक्ष्य प्राप्त करता है कि उक्त संचाटकों का (जिनके अन्तर्बोध अद्य अवघात पैक और पूर्णतया अवघात पैक में इंधन-दक्ष मीटरकारों के संचाटक हैं) 1000 घन मीट्रीमीटर से अधिक इंजन क्षमता वाली इंधन-दक्ष मीटर कारों के विनियोग के लिए उत्प्रोग मंत्रालय (ओर्डोगिक विकास विभाग) द्वारा और उत्प्रोग मंत्रालय (ओर्डोगिक विकास विभाग) के तकनीकी विकास महानिवेशालय के ओर्डोगिक मलाहकार या ग्राम ओर्डोगिक सलाहकार द्वारा उक्त रूप से अनुमतित कार्यक्रम के प्रश्नीत ऐसे आधानकर्ता द्वारा प्राप्त किया गया है ;

(iii) आयानकर्ता, तकनीकी विकास महानिवेशालय के ओर्डोगिक मलाहकार से पूर्वान्तर कार्यक्रम के प्रश्नीत प्राप्त किए जाने के लिए, अपेक्षित देशीकरण को दियी और पूर्ववर्ती वित्तीय धर्ष में प्राप्त देशीकरण की वास्तविक दियी का विस्तृत व्यौद्धा दर्शित करने वाला प्रमाण-पत्र प्राप्त करता है और किसी ऐसे मामले में जहाँ पूर्ववर्ती वित्तीय धर्ष में प्राप्त देशीकरण को दियी, उस दियी से निम्न है जो कार्यक्रम के प्रश्नीत अनुमंदित की गई है वहाँ आयानकर्ता, उत्प्रोग मंत्रालय (ओर्डोगिक विकास विभाग) के सम्मुक्त सचिव से अनिवार्य पंक्ति के अधिकारी से प्रमाण-पत्र भी प्राप्त करता है जिसमें यह प्रमाणित किया गया है कि देशीकरण की अपेक्षित दियी को प्राप्त करने में असफलता विद्यमान्य कारणों की वजह से है जो उसमें लेखभूमि किए जायेंगे और ऐसी असफलता न्यूनतम है।

(iv) आयानकर्ता, ऐसी अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक कलकटर इस निम्नता विनियोग करें, केंद्रीय उत्प्रादण-शुल्क सहायक कलकटर से जिसकी अधिकारिता में ऐसी इंधन-दक्ष मीटर कारों के विनियोग करने वाली कारबाना विभाग है, इस आशय का प्रयोग पत्र प्राप्त करेगा कि ऐसे आयानकर्ता, उत्प्रोग मंत्रालय-शब्दों का, 1000 घन मीट्रीमीटरों से अधिक इंजन क्षमता वाली इंधन-दक्ष मीटर कारों के विनियोग में प्रयोग किया गया है।

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1992

NO. 221/92-CUSTOMS

GSR. 616 (E).—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts components (including components of fuel-efficient motor cars in semi-knocked down packs and completely knocked down packs) required for the manufacture of fuel efficient motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres, from—

(i) 1000 घन मेट्रीमीटर से अधिक किन्तु 1400 घन मेट्रीमीटर से अनधिक इंजन धमता वाली भोटर कार को दशा में, प्रति लीटर पेट्रोल में कम से कम 16 किलोमीटर चलेगी;

(ii) 1400 घन मेट्रीमीटर से अधिक इंजन धमता वाली भोटर कार को दशा में, प्रति लीटर पेट्रोल में कम से कम 16 किलोमीटर चलेगी,

पैक करने समय तिथिविना से धान में रखा जाएगा, अर्थात्—

(क) ईंधन-दक्षता परीक्षण—

(1) 1000 घन मेट्रीमीटर से अधिक किन्तु 1400 घन मेट्रीमीटर से अनधिक इंजन धमता वाली भोटर कार की दशा में, 375 किलोग्राम आवधार से किया जाएगा; और

(2) 1400 घन मेट्रीमीटर से अधिक ईंधन धमता वाली भोटर कार की दशा में, 450 किलोग्राम आवधार से किया जाएगा;

साप्तीकरण—किसी भोटर कार की ईंधन धमता मापने के प्रयोगने के लिए, ईंधन का यह मेट्रीमीटर उपकरण निकटम गृहज तक पूर्णकित किया जाएगा (भासा : 2 के अनुमान)

(ख) ईंधन दक्षता परीक्षण पैके पैट्रोल का प्रयोग करके किया जाएगा जिसका आकेन 87 से अधिक नहीं है।

(ग) ईंधन-दक्षता परीक्षण किसी विशिष्ट लेबल परीक्षण पथ पर कम से कम एक किलोमीटर दूर तक 50 किलोमीटर प्रति धंडे की आपरिवर्तित गति से किया जायेगा और परीक्षण करने के लिए औसतन 20 चक्कर लगाएं जाएंगे जिनमें से 10 चक्कर प्रत्येक विधा में होंगे और परीक्षण अंक समूचे तक की ऊंचाई तक और $+ 25^\circ$ में, परिवेश ताप के आधार पर संशोधित किए जाएंगे;

(घ) ईंधन दक्षता परीक्षण उत्पादन मर्यादा से परीक्षण अनिकर्ता द्वारा सहमा चुनी गई दो भोटरकारों पर किया जाएगा और परीक्षण अंकों में से न्यूनतम अंक ईंधन दक्षता प्रमाण पत्र दिए जाने के प्रयोजन के लिए नुसगत होगा।

2 इस प्रकार दिया गया ईंधन दक्षता प्रमाण-पत्र दिए जाने की नारीक में एक वर्ष की अवधि के लिए विविधान्य होगा।

3. जहाँ आयातकर्ता, इस अधिकूनता के अधीन धूप का इकायाह है किन्तु आयात के समय ईंधन दक्षता प्रमाणपत्र पैश करने में समर्थ नहीं है वहाँ ऐसा आयातकर्ता, सीमाशुल्क महायक कलबटर को यह वर्चनबंध करेगा कि वह ऐसा ईंधन दक्षता प्रमाणपत्र आठ माहाह की अवधि के भीतर या आठ माहाह में अनधिक श्रीर. वहाँ गई ऐसी अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क कलबटर द्वारा अवधारित यो जाप, पैक करेगा तथा वह इसमें अंतिम धूप के न दिए जाने की दण में उद्ग्रन्थीय ज्ञान द्वारा आयात के समय पहले ही मंदन ज्ञान के बीच के अन्तर का संवाद करने का भी वर्चनबंध उम बण में करेगा जब वह उक्त अवधि के भीतर ईंधन-दक्षता प्रमाणपत्र पैश करने में अपाप्त रहता है।

[फा. सं. बी-25/1/92-टी आर यू]
राजीव गर्मी, अवर मंत्रिमं

Explanation.—For the purposes of this notification, “fuel efficient motor car in respect of motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres” means a motor car which is certified to run—

(i) not less than 18 kilometres per litre in the case of motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres but not exceeding 1400 cubic centimetres;

(ii) not less than 16 kilometres per litre of petrol in the case of motor car of engine capacity exceeding 1400 cubic centimetres;

by an officer not below the rank of Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) (certificate issued in these regards hereafter referred to as the fuel efficiency certificate) on the basis of tests (hereafter referred to as the fuel efficiency test) carried out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence, Ahmednagar (Maharashtra), or the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra), having regard to the following, namely:—

(a) the fuel efficiency test shall be conducted—

(i) with a payload of 375 kilograms in the case of motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres but not exceeding 1400 cubic centimetres;

(ii) with a payload of 450 kilograms in the case of motor car of engine capacity exceeding 1400 cubic centimetres;

Explanation: For the purpose of measuring the engine capacity of a motor car, the cubic centimetre of the engine shall be rounded off to the nearest multiple of 10 (as per IS : 2);

(b) the fuel efficiency test shall be conducted using petrol having an octane level not exceeding 87;

(c) the fuel efficiency test shall be carried out on a selected level test track at a steady speed of 50 kilometres per hour for a minimum stretch of one kilometre and the average of 20 runs, comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the test and the test figures shall be corrected to sea level altitude and to plus 25 degree C ambient temperature;

(d) the fuel efficiency test shall be conducted on two motor cars selected at random by the testing agency from the production plant and the lowest of the test figures shall be relevant for the purpose of issuing fuel efficiency certificates.

2. The fuel-efficiency certificate so issued shall be valid for a period of one year from the date of issue.

3. Where an importer is entitled to exemption under this notification but is not able to produce a fuel-efficiency certificate at the time of importation such importer shall undertake to the Assistant Collector of Customs that he will produce such fuel-efficiency certificate within a period of eight weeks or such further extended period not exceeding eight weeks as may be determined by the Collector of Customs and also undertake to pay an amount equal to the difference between the duty leviable but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation, if he fails to produce the fuel-efficiency certificate within the said period.

[F. No. B 25/4/92-TRV]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

प्रधिसूचना

नई विली, 19 जून, 1992

मंदवा 224/92-मीमाण्डक

मा.का.नि. 617(अ).—केन्द्रीय सरकार, मीमाण्डक प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्मियों का प्रयोग करते हुए, प्रमाण यह समाधार हो जाते पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाण्डक ईरिक प्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अन्तर्गत प्राप्त वाले संघटक को जिनके अन्तर्गत मोटरकारों के ऐसे संघटक हैं जो अध्य नॉक डाउन पैक और पूर्णनॉक-डाउन पैक के रूप में हैं) जो मीमाण्डक ईरिक प्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अन्तर्गत प्राप्त हैं, जब 1561 GI/92-3

उक्त आयात 1000 घन मीट्रीमीटर पर अनुधार हैंजन क्षमता बला हैंजन इक्स मोटरकारों के विनियोग के लिए किया जाए।

(प) सीमा शुल्क प्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की उक्त पहली अनुसूची में विनियिष्ट उन पर उद्यग्हणीय गीमाण्डक के उनमें भाग से छृट देती है जिनमें शुल्क के 40 प्रतिशत की दर से अंतर्गत रकम से अधिक है और,

(ष) 375 ग्रामा शुल्क ईरिक प्रधिनियम की धारा 3 के अन्तर्गत उन पर उद्यग्हणीय समस्त ग्रामा शुल्क से छृट देती है, फिल्टर ग्रेन यह है कि—

(i) इनमें अन्तिम छृट, 1000 घन मीट्रीमीटर, रो शर्मियक हैंजन क्षमता वाली इंजन दध मोटर कारों में विनियोग के लिए प्रधिनियम नीचले ऊपरी मोटरकारों के ऐसे संघटक हैं जो अध्य नॉक-डाउन पैक और पूर्ण नॉक डाउन पैक के रूप में हैं) लाग दोगों जो तकनीकी विकास महानिवेशवाल्य के ग्रीष्मांशुक्रियक मलाहकार या प्राची ग्रीष्मांशुक्रियक मलाहकार द्वारा सम्भव स्थान से अनुमोदित कार्यक्रम के अन्तर्गत ऐसे आयातकर्ता द्वारा आयात किया जाता है,

(ii) आयातकर्ता, मीमाण्डक ग्रहणक कलेक्टर के समक्ष इस आण्ड का भाई पेश करे कि उक्त भंधनकारों का (जिनके अन्तर्गत उद्यग्हणीय मोटरकारों के ऐसे संघटक हैं जो अध्य नॉक डाउन पैक और पूर्ण नॉक डाउन पैक के रूप में हैं), 1000 घन मीट्रीमीटर में अनुधार हैंजन क्षमता वाली इंजन दध मोटरकारों के विनियोग के लिए उद्यग्हणीय मलाहकार (ग्रीष्मांशुक्रियक विकास विभाग) और उद्यग्हणीय मलाहकार के तकनीकी विकास महानिवेशवाल्य के ग्रीष्मांशुक्रियक मलाहकार या प्राची ग्रीष्मांशुक्रियक मलाहकार द्वारा सम्भव स्थान से अनुमोदित कार्यक्रम के अन्तर्गत ऐसे आयातकर्ता द्वारा आयात किया जाता है,

(iii) आयातकर्ता इस आण्ड का एक वचनबंद प्रस्तुत करे कि—

(क) वह उक्त भंधनकारों का (जिनके अन्तर्गत इंजन दध मोटर कारों के ऐसे संघटक हैं जो अध्य नॉक-डाउन पैक और पूर्ण नॉक डाउन पैक के रूप में हैं) उद्यग्हणीय ग्राम विनियिष्ट प्रयोगजनों के लिए करेगा।

(ग) उक्त संघटक पूजों का, जो उपरोक्त प्रयोजन से लिए विनियोग के स्थान पर प्राप्त और ग्राही गई है, हिमाचल सहायक मीमाण्डक कलेक्टर द्वारा विनियिष्ट रीति में रखा जाएगा,

(ग) वह नीन मास की अवधि या बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जो सहायक मीमाण्डक कलेक्टर अनुज्ञात कर विनियोग स्थान के परिसर में उक्त संघटक पूजों की प्राप्ति के साथस्वच्छ विनियोग द्वारा यथा प्रमाणित ऐसे लक्षा का उद्धरण प्रस्तुत करेगा, और

(घ) वह पूर्वोक्त (क), (घ), या (ग) का अनुपालन करते हैं ग्रामकल रहने की दशा में मार्ग किए जाने पर उत्तीर्ण करम का संवाय करेगा जो यदि इसमें अन्तर्विष्ट छृट न की गई होती तो, उक्त आयातित मांग की ऐसी मात्रा पर उद्यग्हणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही मंदन शुल्क के बीच अन्तर के बायाकर हैं।

(iv) आयातकर्ता, नक्की की विकास महानिवेशवाल्य के ग्रीष्मांशुक्रियक मलाहकार से ऐसा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करे जिसमें पूर्वोक्त कार्यक्रम के अधीन प्राप्त किए जाने के लिए श्रेष्ठता देशीयकरण की मात्रा के और पूर्व विनीय वर्ष में प्राप्त देशीयकरण की वास्तविक मात्रा के और प्रस्तुत किए गए हों, तथा, यदि पूर्व विनीय वर्ष में प्राप्त की गई देशीयकरण की मात्रा अनुमोदित कार्यक्रम द्वारा यथापेक्षित मात्रा से कम है तो आयातकर्ता उद्यग्हणीय मलाहकार

(बोयाली) ह तिसाग नियांग में संस्कृता गविष्य की परिण द्वारा अनियांग विकल के दिनी परिवारी से ऐसा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करे जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि देशीयकरण के लिए अवधिकारी माला के प्राप्त किए जाने में असफलता के विधिमाल्य कारण हैं और ऐसी असफलता आंशिक है तथा उसमें उनकारणों का भी उल्लेख किया गया है।

स्पष्टीकरण :—इन अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, 1000 घन मीट्री-मीटर से अनधिक इंजन क्षमता वाली किसी मोटर कार की वाबन "इंजन दक्ष मोटर कार" में ऐसी मोटर कार अभिवैन है जिसकी वाबन अन्तर्वदनगार (महाराष्ट्र) स्थित रक्ता मंत्रालय के बायन अनुसंधान विकास स्थान भारतीय आटोमोटिव अन्तर्वदन मंगम, युगे (महाराष्ट्र) द्वारा किए गए परीक्षणों के प्राधार पर (जिन्हें इसके प्रस्ताव इंजन-दक्षता परीक्षण कहा गया है) उचित मंत्रालय (अधिकारीक विकास विभाग) के उप भविव से अनियांग विकल के अधिकारी द्वारा नियन्त्रित की ध्यान में रखत हुए यह प्रमाणित किया जाता है कि (इस मध्यमें जारी विभाग गण प्रमाणपत्र को इसमें इसके प्रस्ताव "ईंजन-दक्षता प्रमाणपत्र" कहा गया है)

- (i) ऐसी मोटर कार 800 घन मीट्री-मीटर से अनधिक की इंजन क्षमता वाली मोटर कार की वाणी में प्रति लीटर 22 कि. मी. से अनधिक चलेगी।
- (ii) 800 घन मीट्री-मीटर से अधिक की इंजन क्षमता वाली मोटर कार की दणी में प्रति लीटर 10 के निष्ठनम गुणज में पूर्णकित किया जाएगा (भा.मा. 2 के अनुसार)
- (क) ईंजन दक्षता परीक्षण 300 किलोग्राम पेनोड से किया जाएगा
- (ख) किसी मोटर कार की इंजन क्षमता मापने के प्रयोजन के लिए, इंजन का घन मीट्री-मीटर 10 के निष्ठनम गुणज में पूर्णकित किया जाएगा (भा.मा. 2 के अनुसार)
- (ग) ईंजन दक्षता परीक्षण ऐसे पैट्रोल का प्रयोग करके किया जाएगा किसका ग्राइंटन केल 87 में अधिक नहीं है; और
- (घ) ईंजन दक्षता परीक्षण किसी विशिष्ट लेवल परीक्षण पथ पर कम से कम एक विलोमीटर दूरी तक 50 फिलोमीटर प्रति घण्टे की अपरिवर्ती गति से किया जाएगा और परीक्षण करने के लिए औसतन 20 अक्षकर लगाए जाएंगे जिनमें से 10 अक्षकर प्रत्येक दिशा में होंगे और परीक्षण अंक समुद्र तल की ऊंचाई और $+25^{\circ}$ से परिवेश ताप के आधार पर अंशोधित किए जाएंगे।
- (ङ) ईंजन-दक्षता परीक्षण ऐसी पांच मोटरकारों पर किया जाएगा जो उत्पादन मंवंत से परीक्षण अभिवर्ण द्वारा यक्याक ध्ययन की जाएगी और अनुत्तम परीक्षण-प्राप्ति हैं ईंजन दक्षता प्रमाण पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए सूचनाएँ होंगी।

2. इस प्रकार जारी किया गया ईंजन-दक्षता प्रमाणपत्र ऐसे जारी किए जाने की तरीख से एक वर्ष की अवधि के लिए विधिमाल्य की गया।

3. यदि आयातकर्ता इस अधिसूचना के प्रवीन छट का हक्कादार है किन्तु आयात के समय वह कोई ईंजन-दक्षता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने में असमर्थ है तो वह महायक सीमालूक कलकटर से बचनबद्ध करेगा कि वह ऐसा ईंजन-दक्षता प्रमाणपत्र आठ सप्ताह के भीतर या 8 सप्ताह से अनधिक की ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर प्रस्तुत करेगा जो महायक सीमालूक कलकटर अवधारित करे, और यदि उनके अवधि के भीतर वह ईंजन-दक्षता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करते में असफल रहता है तो वह महायक

यत्वनवद्ध करेगा कि वह ऐसी विस्तीर्ण समान संसाधन करेगा जो, यदि उसमें अवधिक छह तक तीन तो उद्गङ्खात्र युक्त और आयात के समय पहले ही मंदस प्रूफ के बावजु अंतर के बराबर है।

[का. म. बी ३३/१/७२-टी आर. प. मुख्य राजनीति वर्ग, अवर मंत्रिमं

New Delhi, the 19th June, 1992

No. 222/92-CUSTOMS

G.S.R. 617(E).—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts components (including components of motor cars in semi-knocked down packs and completely knocked down packs) falling under the first schedule to the Customs Tariff Act 1975 (51 of 1975), when imported into India, for the manufacture of fuel-efficient motor car of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimeters, from—

- (a) so much of the duty of customs which is leviable thereon which is specified under the said First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) as is in excess of the amount calculated at the rate of 40 per cent ad valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—
 - (i) the examination contained herein shall be applicable only to those components (including components of fuel efficient motor cars in semi knocked down packs and completely knocked down packs) which are covered by lists certified by an officer not below the rank of an Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development to be required for the manufacture of fuel-efficient motor cars of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimeters ;
 - (ii) the importer produces evidence to the Assistant Collector of Customs to the effect that the said components (including components of fuel-efficient motor cars in semi knocked down packs and completely knocked down packs) have been imported by such importer under a programme duly approved by the Ministry of Industry (Department of Industrial Development and the Industrial Adviser or the Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development in the Ministry of Industry for the manufacture of fuel-efficient motor cars of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimeters ;
 - (iii) the importer furnishes an undertaking to the effect that—
 - (a) the said components (including components of fuel-efficient motor cars in semi-knocked down packs and completely knocked down packs) shall be issued for the purpose specified above ;
 - (b) an account of the said component parts received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs ;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said component parts in the premises of the place of manufacture are within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow ; and
 - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and

- that already paid at the time of importation ; and
- (iv) the importer produces a certificate from the Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development showing the details of the degree of indigenisation required to be achieved under the aforesaid programme and the actual degree of indigenisation achieved in the preceding financial year and in a case where the degree of indigenisation achieved in the preceding financial year is lower than the degree as per the approved programme, the importer also produces a certificate from an officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) certifying that the failure in achieving the required degree of indigenisation is on account of valid reasons to be recorded in writing and that such failure is marginal.

Explanation—For the purposes of this notification “fuel-efficient motor car” in respect of motor car of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimeters means a motor car which is certified to run—

- (i) not less than 22 kilometres per litre in the case of motor car of engine capacity not exceeding 800 cubic centimetres ;
- (ii) not less than 20 kilometres per litre of petrol in the case of motor car of engine capacity exceeding 800 cubic centimetres ;

by an officer not below the rank of Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) (certificate issued in this regard hereafter referred to as the fuel efficiency certificate) on the basis of tests (hereinafter referred to as the fuel-efficiency test) carried out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence, Ahmednagar (Maharashtra) or the Automotive Research Association of India Pune (Maharashtra), having regard to the following, namely :—

- (a) the fuel efficiency test shall be conducted with a payload of 300 kilograms ;
- (b) for the purpose of measuring the engine capacity of a motor car, the cubic centimetres of the engine shall be rounded off to the nearest multiple of 10 (as per IS : 2) ;
- (c) the fuel efficiency test shall be conducted using petrol having an octane level not exceeding 87 ;
- (d) the fuel efficiency test shall be carried out on a selected level test track at a steady speed of 50 kilometres per hour for a minimum stretch of one kilometre and the average of 20 runs, comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the test and the test figures shall be corrected to sea level altitude and to +25°C ambient temperature ;
- (e) the fuel efficiency test shall be conducted on two motor cars selected at random by the testing agency from the production plant and the lowest of the test figures shall be relevant for the purpose of issuing fuel efficiency certificates.

2. The fuel-efficiency certificate so issued shall be valid for a period of one year from the date of issue.

3. Where an importer is entitled to exemption under this notification but is not able to produce a fuel efficiency certificate at the time of importation such importer shall undertake to the Assistant Collector of Customs that he will produce such fuel-efficiency certificate within a period of eight weeks or such further extended period not exceeding eight weeks as may be determined by the Collector of Customs and also undertake to pay an amount equal to the difference between the duty leviable but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation, if he fails to produce the fuel efficiency certificate within the said period.

[F. No. B-25|4|92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 1992

संख्या 223/92-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 618 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयानों के विनिर्माण के लिए अपेक्षित संघटकों को (जिनके अंतर्गत अर्द्ध-तैयार हालत और पूर्ण रूप से बिना तैयार हालत में ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयानों के संघटक भी हैं) —

(क) सीमाशुल्क ट्रैफिक अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुशूलनी के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उत्तरे सीमाशुल्क से जितना पूर्य के 40 प्रतिशत की दर पर संभागित रकम से अधिक है, और

(ख) उक्त सीमाशुल्क ट्रैफिक अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात् :—

(i) इनमें अंतर्विल्ट छूट ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयानों के विनिर्माण के लिए अपेक्षित केवल उहाँ संघटकों को। (जिनके अंतर्गत अर्द्ध-तैयार हालत और पूर्ण रूप से बिना तैयार हालत में ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयानों के संघटक भी हैं) लागू होती जो तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार से अनिम्न पंक्ति के अधिकारी द्वारा प्रभागित सूचियों के अंतर्गत आते हैं;

(ii) आयातकर्ता, सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष इस आशय का साक्ष्य पेश करता है कि उक्त संघटकों का ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयानों के विनिर्माण के लिए उद्योग मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) और तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार द्वारा सम्यक् रूप से अनुशोदित कार्यक्रम के अधीन ऐसे आयातकर्ता द्वारा आयात किया गया है; और

(iii) आयातकर्ता इस आशय का एक वचनबंध देगा कि —

(क) उक्त आयातित संघटकों का उपयोग उपरोक्त विनिर्दिष्ट प्रयोजन के किए किया जाएगा;

(ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में प्राप्त और खपत किए गए उक्त आयातित संघटकों का एक लेखा सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में रखा जाएगा;

(ग) वह तीन मास की अवधि या बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे, विनिर्माण के स्थान की परिसरों में उक्त संघटकों की प्राप्ति के साक्ष्यस्वरूप विनिर्माण द्वारा सम्यक् रूप से प्रभागित ऐसे लेखा का उद्धरण प्रस्तुत करेगा; और

(घ) वह उपरोक्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की वज्ञा में, मांग किए जाने पर ऐसी रकम का संदाय करेगा जो यदि इसमें अंतर्विल्ट छूट न दी गई होती तो उक्त

आविष्टि भाव की ऐसी भाव पर उद्घाटनीय गुल्क और आवात के समय पहले ही संदर्भ गुल्क के बीच अंतर के बराबर हों।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्र पार मोटर यान” से —

(1) पैट्रोल चालित चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयान की दशा में, ऐसा मोटरग्राम अभिप्रेत है जो प्रति लीटर पैट्रोल में 15 किलोग्राम से कम नहीं चलती है; और

(2) डीजल चालित चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयान की दशा में, ऐसा मोटरयान अभिप्रेत है जो प्रति लीटर डॉजल में 20 मिली मोटर से कम नहीं चलती है,

और जो अहमदनगर (महाराष्ट्र) स्थित रखा गंवालय के बात अनुसंधान विकास स्थापन या पुणे (महाराष्ट्र) स्थित भारतीय स्वचालित ग्रन्ति अनुसंधान संग्रह द्वारा किए गए परीक्षणों के आधार पर (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् ईंधन-दक्षता परीक्षण कहा गया है) उत्तरोग संवालय (आयोगिक विकास विभाग) के उपसचिव के अनिमन पंक्ति के अधिकारी द्वारा तदनुसार प्रमाणित किया जाता है जिसमें निम्नलिखित को ध्यान में रखा जाएगा, अथवा :—

(क) ईंधन दक्षता पर परीक्षण —

(1) पैट्रोल चालित चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयान की दशा में 500 किलोग्राम भारदोग से किया जाएगा; और

(2) डीजल चालित चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयान की दशा में 500 किलोग्राम भारदोग से किया जाएगा।

(ख) ईंधन-दक्षता परीक्षण, यथास्थिति, पैट्रोल का प्रयोग करके किया जाएगा जिसका आक्टेन लेवल 87 से अधिक नहीं है या ऐसे डीजल का प्रयोग करके किया जाएगा जिसका आक्टेन लेवल 42 है, और

(ग) ईंधन-दक्षता परीक्षण किसी विशिष्ट लेवल परीक्षण पश्च पर कम से कम एक किलोग्राम दूरी तक 50 किलोग्राम प्रति घंटे की अपरिवर्ती गति से किया जाएगा और परीक्षण करने के लिए औसतन 20 चक्कर लगाए जाएंगे जिनमें से 10 चक्कर प्रत्येक दिशा में होंगे और परीक्षण अंक समृद्ध तरफ की ऊचाई और +25° से परिवेश ताप के आधार पर संशोधित किए जाएंगे।

[फा. सं. बी. 25/4/92-टी. आर. गू.]
राजीव शर्मा, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1992

No. 223/92-CUSTOMS

G.S.R. 618(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts components (including components of fuel-efficient four-wheeled cross-country motor vehicles in semi-knocked down packs and completely knocked down packs) required for the manufacture of fuel-efficient four-wheeled cross-country motor vehicles, from—

- (a) so much of the duty of customs which is leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount calculated at the rate of 40 per cent ad valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act,

subject to the following conditions, namely :—

- (i) the exemption contained herein shall be applicable only to those components (including components of fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles in semi-knocked down packs and completely knocked down packs) which are covered by lists certified by an officer not below the rank of an Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development to be required for the manufacture of fuel-efficient four-wheeled cross-country motor vehicles.
- (ii) the importer produces evidence to the Assistant Collector of Customs to the effect that the said components have been imported by such importer under a programme duly approved by the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) and the Industrial Adviser or the Additional Industrial Adviser of the Directorate General of Technical Development for the manufacture of fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles; and
- (iii) importer shall furnish an undertaking to the effect that—
 - (a) the said components shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specifying by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises at the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
 - (d) he shall pay on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable or such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

Explanation.—For the purpose of this notification, “fuel-efficient four wheeled cross country motor vehicles” means—

- (i) in the case of a petrol driven four-wheeled cross-country motor vehicle, a motor vehicle which runs not less than 15 kilometres per litre of petrol; and
- (ii) in the cases of a diesel driven four-wheeled cross-country motor vehicle, a motor vehicle which runs not less than 20 kilometres per litre of diesel,

and certified accordingly by an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) on the basis of the tests (hereinafter referred to as the fuel-efficiency test) carried out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence, Ahmedabad (Maharashtra) or the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra), having regard to the following, namely :—

- (a) the fuel-efficiency test shall be conducted—
 - (i) with a pay load or 500 kilograms in the case of a petrol driven four-wheeled cross country motor vehicle; and
 - (ii) with a pay load of 600 kilograms in the case of a diesel driven four wheeled cross-country motor vehicle;
- (b) the fuel-efficiency test shall be conducted using petrol having an octane level not exceeding 87 or diesel having a octane level of 42, as the case may be; and
- (c) the fuel-efficiency test shall be carried out on a selected level test track at a steady speed of 50 kilometres per hour for a minimum stretch of one

kilometre and the average of 20 runs, comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the tests and the test figures shall be corrected to sea level altitude and to +25 degree ambient temperature.

[F. No B.25/4/92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

प्रधिमूलना

नई दिल्ली, 19 जून 1992

ग. 224/9-सीमाशुल्क

मानकि. 619(प्र).—केन्द्रीय महाकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपचारा (1) द्वारा प्रदर्शित वर्णनों का प्रयोग करने हुए, प्रथम यह समाधान ही जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, इससे उत्तरदाता सारणी के सम्बन्ध (2) में विनियिट वर्णन के हृष्टन-दथ मोटर कार के संघटकों के विनियिण के लिए अपेक्षित माल (कच्ची सामग्री से मिल) की--

(क) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्घाटनीय उत्तर सीमाशुल्क ने जितना सूच्य के 40 प्रतिशत की दर से संभित रकम में अधिक है; और

(ख) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम द्वारा 3 के अधीन उन पर उद्घाटनीय सम्बन्ध अनियित शुल्क में,

तिन्मानियित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात्--

(1) इसमें अनविष्ट छूट हृष्टन-दथ मोटर कारों के विनियिण में प्रयोग के लिए उक्त संघटकों के विनियिण के लिए अपेक्षित केवल उसी माल (कच्ची सामग्री से मिल) की दारा, ही जो तकनीकी विकास महानियेशालय के औद्योगिक संलाहकार भे अनियन्त्रित के अधिकारी से अनियन्त्रित के अधिकारी द्वारा प्रमाणित नुस्खियों के अनुसार जाते हैं।

(2) आयानकर्ता, सीमाशुल्क महायक कलकटर के सम्बन्ध इस आयान का साक्ष्य पेश करता है कि उक्त माल (कच्ची सामग्री से मिल) का उक्त संघटकों के विनियिण के लिए उद्योग एन्ड्रायर (औद्योगिक विकास विभाग) और उद्योग मंत्रालय के तकनीकी विकास महानियेशालय के औद्योगिक संलाहकार या अपर औद्योगिक संलाहकार द्वारा सम्बद्ध रूप से अनुमोदित कार्यक्रम के अधीन ऐसे आयानकर्ता द्वारा आयान किया गया है; और

(3) आयानकर्ता इस आयान का एक वचनबंध प्रस्तुत करे कि--

(क) वह उक्त आयान किए गए माल का उपयोग ऊपर विनियिट प्रयोजनों के लिए करेगा।

(ख) उक्त आयान किए गए माल का, जो उपरोक्त प्रयोजन के लिए विनियिण के स्थान पर प्राप्त और खपाया गया है, हिसाब महायक सीमाशुल्क कलकटर द्वारा विनियिट रीति में रक्त जाएगा।

(ग) वह, तिन मास की अवधि या बढ़ाई नहीं ऐसी अवधि के भीतर जो सहायक सीमाशुल्क कलकटर अनुमति करे, विनियिण स्थान के परियार में उन आयान किए गए माल की प्राप्ति के मात्रायन्त्रिक विनियिण द्वारा या प्रमाणित ऐसे लेखा वा उद्दण्ड प्रस्तुत करेगा; और

(घ) वह, पूर्वोक्त (क), (ख) या (ग) का प्रनुपालन वर्तन में भ्रस्फल रक्त की रक्षा में, भाग किए जाने पर, उत्तरदाता का संदाय करेगा जो यदि इसमें अनविष्ट छूट न ही गई होती तो उक्त आयान माल भी ऐसी माल पर

उद्घाटनीय शुल्क और आयान के समय पहले ही संभव शुल्क के बीच अंतर के बगावर है।

(ii) आयानकर्ता, सकारात्मक विकास महानियेशालय के अधीनियम संलाहकार से ऐसा प्रयोगपत्र प्रस्तुत करे जिसमें पूर्वोक्त कार्यक्रम के अधीन प्राप्त किए जाने के लिए अपेक्षित देशीय-कारण भी मात्रा के और पूर्व विनोद वर्ष में प्राप्त देशीय-कारण की वास्तविक मात्रा के वर्षनि प्रस्तुत किए गए ही तथा, यदि पूर्व विनोद वर्ष में प्राप्त की गई देशीय-कारण भी मात्रा अनुमोदित कार्यक्रम द्वारा यथावैधित मात्रा से कम है तो आयानकर्ता उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में अपक्रिय मतिवाली पंक्ति से प्रतिनिधित्व किये गये हों तो आयानकर्ता के विनियिण कारण है और ऐसी अपक्रिया अप्रिय है तथा यसमें उक्त कारणों का भी उल्लेख किया गया हो।

मारणी

क्र. सं. संघटकों का वर्णन

(1) (2)

1. कार्बुरेटर्स
2. आटो इलेक्ट्रोकल्स, प्रैंटन
- (1) स्टार्टर ब्लॉटर
- (2) एन्टरनेटर/जनरेटर
- (3) बोल्टेज रेगुलेटर
- (4) वाइरिंग हार्नेस
- 3 स्टोरियरिंग गियर सम्बन्ध जिसमें संकेत्यात्मक गियर स्टोरियरिंग गियर लिफेज, टाई राइ अंग और घण्टा सम्बन्ध भी हैं।
4. क्यूब सम्बन्ध
5. ब्रैक सम्बन्ध
6. बाइपर सम्बन्ध जिसमें बाइपर मोटर और बायपर मोटर सम्बन्ध हैं।
7. हैड सेम सम्बन्ध
8. एक एव्वलार्वर
9. गियर ट्राक्स
10. डेस बोर्ड सम्बन्ध
11. वायु सम्पेलन सम्बन्ध
12. पानी का पंप/यमोनेटर
13. सफल्टर
14. प्रदूषण नियंत्रण के लिए आफ्टर अंप्टर
15. आटो बल्ब गम्बन
16. पेंड्रा संटर
17. मैक फ्रेसन स्टॉटर
18. विशुरक सम्बन्ध
19. एम्प/प्रायग पाप

स्पष्टीकरण, इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, 'हृष्टन-दथ मोटरकार' में ऐसी मोटर कार शमिल है जो अद्यतन भर (महाराष्ट्र) स्थित रखी गयी गंगालय के यात्रा अनुसार्यान विकास स्थापन के पूर्ण (महाराष्ट्र) स्थित गार्गीय स्वच्छान्वित और अनुसंधान

समां इतरा किए गए परीक्षण के आधार पर (जिन्हें इसमें इसके परवान् दृष्टन-दृष्टना परीक्षण कहा गया है) उद्योग मशालय (ओद्योगिक विकास विभाग) के द्वय सचिव से अनिम्न पंक्ति के अधिकारी द्वारा—

- (1) 800 घन मेट्रीमीटर से अनधिक हैंजन क्षमता वाली किसी गोटर कार की दशा में, प्रति लिटर पेट्रोल में कम से कम 22 किलोमीटर चलेगी।
- (2) 800 घन मेट्रीमीटर से अधिक किन्तु 1000 घन मेट्रीमीटर से अनधिक हैंजन क्षमता वाली किसी गोटर कार की दशा में, प्रति लिटर पेट्रोल में कम से कम 20 किलोमीटर चलेगी।
- (3) 1000 घन मेट्रीमीटर से अधिक किन्तु 1400 घन मेट्रीमीटर से अनधिक हैंजन क्षमता वाली किसी गोटर कार की दशा में, प्रति लिटर पेट्रोल में कम से कम 18 किलोमीटर चलेगी, और
- (4) 1400 घन मेट्रीमीटर से अधिक हैंजन क्षमता वाली किसी गोटर कार की दशा में, प्रति लिटर पेट्रोल से कम से कम 16 किलोमीटर चलेगी। ऐसा करने गमय निम्नलिखित को ध्यान में रखा जाएगा, अधिक—

(क) इधन वक्ता परीक्षण—

- (1) 800 घन मेट्रीमीटर से अनधिक हैंजन क्षमता वाली किसी गोटर कार की दशा में, 300 किलोग्राम भारवोग से किया जाएगा।
 - (2) 800 घन मेट्रीमीटर से अधिक किन्तु 1000 घन मेट्रीमीटर से अनधिक हैंजन क्षमता वाली गोटर कार की दशा में, 300 किलोग्राम भार वोग से किया जाएगा;
 - (3) 1000 घन मेट्रीमीटर से अधिक किन्तु 1400 घन मेट्रीमीटर से अनधिक हैंजन क्षमता वाली गोटर कार की दशा में 375 किलोग्राम भार वोग में किया जाएगा और
 - (4) 1400 घन मेट्रीमीटर से अधिक हैंजन क्षमता वाले किसी गोटर कार का दशा में 450 किलोग्राम भारवोग से किया जाएगा।
- (ग) किसी गोटर कार का हैंजन क्षमता के माप के प्रयोजनों के लिए हैंजन का घन मेट्रीमीटर 10 के तिकटनम गुणज तक प्रणीकित किया जाएगा (आई.एम.: 2 के अनुसार);
- (ग) इधन वक्ता परीक्षण ऐसे पेट्रोल का प्रयोग करके किया जाएगा, जिसका अकाउन्ट नेबल 87 से अधिक नहीं है;
- (घ) हैंजन-वक्ता परीक्षण किसी विशिष्ट नेतृत्व परीक्षण पर कम से कम एक किलोमीटर इरी तक 50 किलोमीटर प्रति घंटे की अपरिवर्तित गति से किया जाएगा और परीक्षण करने के लिए और अधिक 20 चक्कर लगाए जाएं जिनमें से 10 चक्कर प्रत्येक दिशा में होंगे और परीक्षण अंक समूद्र तल की ऊँचाई तक और $+25^\circ$ में परिवेश ताप के आधार पर संगोष्ठित किए जाएंगे।
- (ङ) हैंजन वक्ता परीक्षण, न्यायालय भवन से परीक्षण अधिकारी द्वारा नहाय चुनी गई दो गोटर कारों पर किया जाएगा और परीक्षण अंकों में से न्यूनतम अंक, हैंजन वक्ता प्रमाण-पत्र दिए जाने के प्रयोजन के लिए मुमर्गत होगा।

इस प्रकार दिया गया हैंजन वक्ता प्रमाण-पत्र दिए जाने की नीति में एक अर्थ की अवधि के लिए विविधान्य होगा।

3. जहां शायातकर्ता इस अधिसूचना के प्रवर्तन छठ ता हृकदार है किन्तु भारवोग के गमय हैंजन वक्ता प्रमाण-पत्र पेण उत्तर में गमय नहीं है वहां

ऐसा शायातकर्ता, सहायक सीमांशुल कलक्टर का यह वक्तव्यवधि करेगा कि वह ऐसा इधन दक्षता प्रमाण-पत्र आठ सप्ताह की अवधि के भीतर या गोटर सप्ताह से अनधिक और बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जो सीमांशुल कलक्टर द्वारा अवधिरित की जाए, पेण करेगा तथा वह इसमें अन्तर्विष्ट छठ के तरिके जाने की दशा में उत्प्रहरणीय शुल्क और भायात के समय पहले ही संकेत शुल्क के बीच के अन्तर वा सदाय करने का भी वक्तव्यवधि उस दशा में करेगा जब वह उत्तर अवधि के भीतर इधन वक्ता प्रमाण-पत्र पेण करने में असफल रहता है।

[का. स. बं. 25/4/92 टी.प्रार. प.]

राजीव शर्मा, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1992

No. 224/92-CUSTOMS

G.S.R. 619(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods (other than raw materials) required for the manufacture of components of fuel-efficient motor cars of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed from :—

- (a) so much of the duty of customs which is leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount calculated at the rate of 40 per cent ad valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act,

subject to the following conditions, namely :—

- (i) the exemption contained herein shall be applicable only to those goods (other than raw materials) which are covered by lists certified by an officer not below the rank of an Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development to be required for the manufacture of the said components for use in the manufacture of fuel-efficient motor cars;
- (ii) the importer produces evidence to the Assistant Collector of Customs to the effect that the said goods (other than raw materials) have been imported by such importer under a programme duly approved by the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) and the Industrial Adviser or the Additional Industrial Adviser of the Directorate General of Technical Development in the Ministry of Industry for the manufacture of the said components;
- (iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that,—
 - (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported

goods but for the exemption contained herein and
that already paid at the time of importation;

- (iv) the importer produces a certificate from the Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development showing the details of the degree of indigenisation required to be achieved under the aforesaid programme and the actual degree of indigenisation achieved in the preceding financial year and in a case where the degree of indigenisation achieved in the preceding financial year is lower than the degree as per the approved programme, the importer also produces a certificate from an Officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) certifying that the failure in achieving the required degree of indigenisation is on account of valid reasons to be recorded in writing and that such failure is marginal.

TABLE

Sl. No.	Description of the components
(1)	(2)
1.	Carburettor.
2.	Auto electricals, namely:
	(i) Starter Motor
	(ii) Alternator/Generator
	(iii) Voltage Regulator
	(iv) Wiring Harness
3.	Steering gear assembly including collapsible and powered steering gear; steering linkage, tie rod ends and axle assembly.
4.	Clutch assemblies
5.	Brake assemblies
6.	Wiper assembly including wiper motors and washer motor assembly.
7.	Head lamp assembly
8.	Shock absorber
9.	Gear box
10.	Dash board assemblies
11.	Air suspension assembly
12.	Water pump/thermostats
13.	Mufflers
14.	After burners for pollution control
15.	Auto bulb assemblies
16.	Fan Motors
17.	Mac pherson struts
18.	Distributor Assembly
19.	Fuel/Oil Pumps

Explanation . For the purposes of this notification, "fuel-efficient motor car" means a motor car which is certified to turn—

- (i) not less than 22 kilometres per litre of petrol in the case of motor car of engine capacity not exceeding 800 cubic centimetres;
- (ii) not less than 20 kilometres per litre of petrol in the case of motor car of engine capacity exceeding 800 cubic centimetres but not exceeding 1000 cubic centimetres;
- (iii) not less than 18 kilometres per litre of petrol in the case of motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres but not exceeding 1400 cubic centimetres; or
- (iv) not less than 16 kilometres per litre of petrol in the case of motor car of engine capacity exceeding 1400 cubic centimetres,

by an officer not below the rank of Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) (Certificate issued in this regard hereafter referred to the fuel-efficiency certificate) on the basis of tests (hereafter referred to as the fuel-efficiency test) carried out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence, Ahmednagar (Maharashtra) or the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra), having regard to the following, namely :—

- (a) the fuel-efficiency test shall be conducted,—
 - (i) with a payload of 300 kilograms in the case of motor car of engine capacity not exceeding 800 cubic centimetres;
 - (ii) with a payload of 300 kilograms in the case of motor car of engine capacity exceeding 800 cubic centimetres but not exceeding 1000 cubic centimetres;
 - (iii) with a payload of 375 kilograms in the case of motor car of engine capacity exceeding 1000 cubic centimetres but not exceeding 1400 cubic centimetres;
 - (iv) with a payload of 450 kilograms in the case of motor car of engine capacity exceeding 1400 cubic centimetres;
- (b) for the purpose of measuring the engine capacity of a motor car, the cubic centimetre of the engine shall be rounded off to the nearest multiple of 10 (as per IS : 2);
- (c) the fuel-efficiency tests shall be conducted using petrol having an octane level not exceeding 87;
- (d) the fuel-efficiency tests shall be carried out on a selected level test track at a steady speed of 50 kilometres per hour for a minimum stretch of one kilometre and the average of 20 runs comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the tests and the test figures shall be corrected to sea level altitude and to +23°C ambient temperature;
- (e) the fuel-efficiency tests shall be conducted on two motor cars selected at random by the testing agency from the production plant and the lowest of the test figures shall be relevant for the purpose of issuing fuel-efficiency certificates.

2. The fuel-efficiency certificate so issued shall be valid for a period one year from the date of issue.

3. Where an importer is entitled for exemption under this notification but is not able to produce a fuel-efficiency certificate at the time of importation such importer shall under

taken to the Assistant Collector on Customs that he will produce such fuel-efficiency certificate within a period of eight weeks or such further extended period not exceeding eight weeks as may be determined by the Collector of Customs and also undertake to pay an amount equal to the difference between the duty leviable but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation if he fails to produce the fuel-efficiency certificate within the said period.

[F. No. B-25/4/92-THU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

राजिवशर्मा

नई दिल्ली, 19 मे. 1992

मे. 225/9-सीमांगन

मानकनि. 620(प्र)---केन्द्रीय सरकार, सीमांगनक अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धरा 23 की उपधारा (ii) द्वारा प्रदत्त घटकियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाते पर कि नैऋत्य में ऐसा करना आवश्यक है, भाल की (कच्ची सामग्री से बिना) जब इसका इसमें उपावल सारणी के स्तर (2) से विनियित वर्गन के गोपन्यानों के संबंधिकों के लिए जारी में आवश्यक किया जाएः--

(क) सीमा शूल टैगिंग अधिनियम, 1975 (1965 का 51) की पहली प्रत्युत्ती के अधीन इस पर उद्यापीय उत्तर सीमांगनक से जिनना मूल्य के 40 प्रतिशत की दर से संबंधित रकम में अधिक है; और

(ख) उक्त सीमा शूल टैगिंग अधिनियम की धरा 3 के अधीन उस पर उद्यापीय यस्तु अधिनियम शूलक से,

विनियित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात्--

(i) इस अधिसूचना में अन्विष्ट छूट ईथन-दर आर पटियों लाने के बारे योग्यताओं के विनियोग के प्रयोग के लिए उक्त संबंधिकों के विनियोग के लिए अवैधिक केवल उसी माल (कच्ची सामग्री से बिना) को लागू देती जो तकनीकी विकास महानियोगालय के औद्योगिक सलाहकार या धारा प्रमाणित विनियोगों के अंतर्गत आते हैं;

(ii) आयानकर्ता सीमा शूलक सहायक कलक्टर के समक्ष इस आवश्यक का साथ पेश करता है कि उक्त माल (कच्ची सामग्री से बिना) का उक्त संबंधिकों के विनियोग के लिए उद्योग संकालय (औद्योगिक विकास विभाग) और तकनीकी विकास महानियोगालय के औद्योगिक सलाहकार या धारा औद्योगिक सलाहकार द्वारा सम्मिलित कार्यक्रम के अधीन एवं आयानकर्ता द्वारा आवायत किया गया है, और

(iii) आयानकर्ता इस आवश्यक का एक बचतवंध देता है--

(क) उक्त आवायत माल (कच्ची सामग्री से बिना) का उपयोग उपरोक्त विनियिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा।

(ख) प्रयोक्ता प्रयोजन के लिए विनियोग के स्थान में प्राप्त और खपत किए गए उक्त आवायत माल का एक लेया सीमांगनक सहायक कलक्टर द्वारा विनियिष्ट रीति में रखा जाएगा।

(ग) वह सीत माल की अवधि या बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जो सीमांगनक सहायक कलक्टर अनुमत करे, विनियोग के स्थान की परिमितों में उक्त आवायत माल की प्राप्ति के माध्यमस्वरूप विनियोग द्वारा सम्मिलित से प्रमाणित होने वेष्या का उद्धरण प्रस्तुत करेगा; और

(घ) वह जारीत (क), (घ) और (ग) का प्रत्युपालन करते हो अपने उक्त विनियोगों की दशा में, संभव किए जाने पर ऐसी रकम का संवाय करेगा जो अद्वितीय इसमें अन्विष्ट छूट न हो वही होती तो उक्त आवायत सामान की ऐसी सामान पर उद्यापीय शूलक और आवायत के गोपन्य पहले ही गंदन प्रक्रिये के अंत अन्वर के बराबर हो।

सारांश

क्रमी.	संबंधिकों का वर्णन
(1)	(2)
1. कारबोरेंटर्स	
2. आटो इलेक्ट्रिकल्स, अर्थात्--	
(i) स्टार्टर मोटर	
(ii) ग्राउन्डेटर/मैंपिंग	
(iii) बोल्टेज मैपेटर	
(iv) वाल्वर सामूच्य जिम्बो अंतर्गत लाइन मोटर भी है	
3. स्टीयरिंग गिरर सामूच्य जिम्बो अंतर्गत लाइन और पाइपलेई स्टीयरिंग गिरर; स्टीयरिंग बंधनी, टाई राइट एडम और व्हरी सम्पर्क हैं।	
4. फ्लैन मसुच्य	
5. डैग बोर्ड सम्पर्क	
6. ईजिन	
7. वायु लिल्सन सम्पर्क	
8. गिराईम (वैग्यन/त्रिव्यालिम)	
9. जल पम्प/ताप सियरक	
10. पिस्टन सम्पर्क	
11. प्रदूषण नियंत्रण के लिए अधिज्ञालक	
12. वायुसिन/शैधन फिल्टर सम्पर्क	
13. स्वचालित बन्ड सम्पर्क	
14. पंक्ता मोटर	
15. मैक फैरसन स्टैटम	
16. विनरक सम्पर्क	

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोग के लिए, “ईथन-दर आर पहियों वाले पार क्लोस मोटर यान” से,—

- (i) किसी पैटेल चालित आर पहिए वाले पार क्लोस मोटर यान की दशा में, कोई ऐसा मोटर यान अभियोग है जो प्रति लीटर डीजल में कम से कम 15 किलोमीटर चलेगी; और
- (ii) किसी ट्रीशप चालित आर पहिए वाले पार क्लोस मोटर यान की दशा में, कोई ऐसा मोटर यान अभियोग है जो प्रति लीटर डीजल में कम से कम 20 किलोमीटर चलेगी,

और जो अहमदनगर (महाराष्ट्र) स्थित रक्षा मंत्रालय के यान अनुसंधान विकास स्थापन या गुण (महाराष्ट्र) स्थित भारतीय स्वचालित यंत्र अनुसंधान संगम द्वारा किए गए परीक्षणों के आधार पर (जिन्हें इसमें इसके प्रकार ईंधन व्यवस्था परीक्षण कहा गया है) उच्चोग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के उप सचिव से अनियन्त्रित के किसी अधिकारी

द्वारा तदनुसार प्रमाणित किए गए हैं, और जिसमें निम्नलिखित को घोटा में रखा जाएगा, अर्थात् :—

(क) ईंधन-दबाता पराक्रम,

(i) ट्रैक्टर चार पहियों वाले थोक पार मोटर यान का दशा में, 500 किलोग्राम भारयोंग में किया जाएगा, और

(ii) ड्रेसल चालिन चार पहियों वाले थोक पार मोटर यान का दशा में, 600 किलोग्राम भारयोंग से किया जाएगा;

(ख) ईंधन दबाता पराक्रम, धारानिक, ऐसे पैट्रोल का प्रयोग करके किया जाएगा जिसका आकृतन लेबल 87 से अधिक नहीं है या ऐसे डालन का प्रयोग करके किया जाएगा जिसका आकृतन लेबल 43 है; और

(ग) ईंधन दबाता पराक्रम किसी दिलेप लेबल पर क्षण पश पर कम से कम 1 किलोमीटर की दूरी तक 50 किलोमीटर प्रति घंटा का अपरिवर्ती गति से किया जाएगा और पराक्रम करने के लिए औसतन 20 लक्षकर लगाए जाएंगे जिनमें से 10 लक्षकर प्रत्येक विधा में होंगे और दराक्रम अंक सहूद स्तर को अंकाई और $+25^\circ$ से परिवेश ताप के आधार पर संशोधित किए जाएंगे।

[फा. सं. वी 25/4/92—टी आर यू]
राजाव एम्स, इंडर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1992

NO. 225/92-CUSTOMS

G.S.R. 620(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods (other than raw materials) when imported into India, for the manufacture of components of motor vehicles of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed, from,—

(a) so much of the duty of customs which is leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount calculated at the rate of 40 per cent ad valorem; and

(b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act,

subject to the following conditions, namely :—

(i) the exemption contained in this notification shall be applicable only to those goods (other than raw materials) which are covered by lists certified by an officer not below the rank of an Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development to be required for use in the manufacture of fuel-efficient four-wheeled cross-country motor vehicles;

(ii) the importer produces evidence to the Assistant Collector of Customs to the effect that the said goods (other than raw materials) have been imported by such importer under a programme duly approved by the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) and the Industrial Adviser or the Additional Industrial Adviser of the Directorate General of Technical Development for the manufacture of the said components; and

(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that,—

(a) the said imported goods (other than raw materials) shall be used for the purpose specified above;

(b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;

(c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and

(d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

TABLE

Sl. No.	Description of the components
(1)	(2)
1.	Carburetors
2.	Auto Electricals, namely :—
(i)	Starter Motor
(ii)	Alternator Generator
(iii)	Voltage Regulator
(iv)	Wiper assembly including wiper motor
3.	Steering gear assembly including collapsible and powered steering gear; steering linkage tie rod ends and axle assembly
4.	Clutch Assemblies
5.	Dash Board Assemblies
6.	Engine
7.	Air Suspension Assembly
8.	Retarders (Electrical Hydraulic)
9.	Water Pump Thermostats
10.	Piston Assembly
11.	After burners for pollution control
12.	Air Oil fuel filter assemblies
13.	Auto bulb assemblies
14.	Fan Motors
15.	Mac Pherson struts
16.	Distributor Assembly.

Explanation.—For the purposes of this notification, “fuel-efficient four-wheeled cross-country vehicles”, means.—

(i) in the case of a petrol driven four-wheeled cross-country motor vehicle, a motor vehicle which runs not less than 15 kilometres per litre of petrol; and

(ii) in the case of a diesel driven four-wheeled cross-country motor vehicle, a motor vehicle which runs not less than 20 kilometres per litre of diesel.

and certified accordingly by an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) on the basis of the tests (hereinafter referred to as the fuel-efficiency test) carried out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence, Ahmednagar (Maharashtra) or the

Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra) having regard to the following, namely :—

- (a) the fuel-efficiency test shall be conducted,—
 - (i) with a pay load of 500 kilograms, in the case of a petrol driven four-wheeled cross-country motor vehicle; and
 - (ii) with a pay load of 600 kilograms in the case of a diesel driven four-wheeled cross-country motor vehicle;
- (b) the fuel-efficiency test shall be conducted using petrol having an octane level not exceeding 87 or diesel having a octane level of 42, as the case may be; and
- (c) the fuel-efficiency test shall be carried out on a selected level test track at a steady speed of 50 Kilometres per hour for a minimum stretch of one Kilometre and the average of 20 runs, comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the tests and the test figures shall be corrected to sea level altitude and to + 25°C ambient temperature.

[F. No. B|25|4|92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy,

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 1992

र. 226/92—सीमाशुल्क

सा. का. नि. 621 (ग्र) —केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1992 (1992 का 18) की धारा 111 को उपधारा (4) के साथ पड़ित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) को अधिसूचना सं. 194/92-सीमाशुल्क, तारीख 14 मई, 1992 का निम्नलिखित संशोधन करना है, प्रथम :—

उत्तम अधिसूचना से उत्पन्न अनुसूची में,—

(i) क्रम सं. 22 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टि अंतर्स्थापित को जाएगी प्रथम :—

“22क सं. 58—सीमाशुल्क, तारीख 17 मार्च, 1985”;

(ii) क्रम सं. 20 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखितक्रम सं. और प्रविष्टियाँ जोड़ी जाएंगी, प्रथम :—”

“71 सं. 221—सीमाशुल्क, तारीख 19 जून, 1992

72 सं. 222—सीमाशुल्क, तारीख 19 जून, 1992

73. सं. 223—सीमाशुल्क, तारीख 19 जून, 1992

74 सं. 224—सीमाशुल्क, तारीख 19 जून, 1992

75. सं. 225—सीमाशुल्क, तारीख 19 जून, 1992”।

[का. सं. ओ 25/4/92-टी आर पू.]

राजीव शर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 19th June, 1992

NOTIFICATION

No. 226/92-CUSTOMS

G.S.R. 621(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 111 of the Finance Act, 1992 (18 of 1992), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance Department of Revenue) No. 194/92-Customs, dated the 14th May, 1992, namely :—

In the Schedule annexed to the said notification,—

(i) after S. No. 22 and the entry relating thereto, the following S. No. and entry shall be inserted, namely :—

“22A, No. 58-Customs, dated the 17th March, 1985”.

(ii) after S. N. 70 and the entry relating thereto, the following S. Nos. and entries shall be added, namely :—

“71, No. 221-Customs, dated the 19th June, 1992

72. No. 222-Customs, dated the 19th June, 1992

73. No. 223-Customs, dated the 19th June, 1992

74. No. 224-Customs, dated the 19th June 1992

75. No. 225-Customs, dated the 19th June, 1992”.

[F. No. B|25|92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.